आई0 वी0 आर0 आई0, मुक्तेश्वर, ने आयोजित की एक दिवसीय वैज्ञानिक- पशु चिकित्साधिकारी इंटरफेस बैठक

आई0 वी0 आर0 आई0, मुक्तेश्वर, पशुपालन विभाग उत्तराखंड, तथा उत्तराखंड जैव प्रौद्योगिकी परिषद की सहभागिता में एक दिवसीय वैज्ञानिक- पशु चिकित्साधिकारी इंटरफेस बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक का विषय उन्नत दृष्टिकोण का उपयोग करके पशु स्वास्थ्य और उत्पादन की सुरक्षा करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, डॉ संजय कुमार (निदेशक, उत्तराखंड जैव प्रौद्योगिकी परिषद) तथा विशिष्ट अथिति डॉ० नीरज सिंघल (निदेशक, पशुपालन विभाग उत्तराखंड) एवं उदय शंकर (अपर निदेशक, पशुपालन विभाग, उत्तराखंड) थे। कार्यक्रम में पशुपालन विभाग, उत्तराखंड के विभिन्न जनपदों से आए पशु चिकित्सा अधिकारियों, संस्थान के वैज्ञानिकों तथा छात्र छात्राओं समेत कुल 51 लोगों ने प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम में डॉ० यशपाल सिंह मलिक (संयुक्त निदेशक, आई0 वी0 आर0 आई0, मुक्तेश्वर) ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया एवं अपने संबोधन में पशुधन स्वास्थ्य तथा प्रबंधन के क्षेत्र में आई0 वी0 आर0 आई0, मुक्तेश्वर के योगदान एवं प्रतिबद्धता के बारे में बताया। डॉ० नीरज सिंघल (निदेशक, पशुपालन विभाग उत्तराखंड) ने बताया कि पशु चिकित्सा अधिकारी पशुपालन के क्षेत्र में जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले कर्मचारी हैं साथ ही उन्होंने ग्रामीण स्तर पशुपालकों के हित हेतु इन अधिकारियों की महत्ता को उजागर किया। इस कार्यक्रम पर उन्होंने आईवीआरआई मुक्तेश्वर तथा उत्तराखंड जैव प्रौद्योगिकी परिषद को शुभकामनाएं दी और कहा कि पशुपालन विभाग हमेशा इस तरह के कार्यक्रमों हेतु संस्थान के साथ मिलकर कार्य करेगा। इसके बाद निदेशक आई० वी० आर० आई० ने सभी प्रतिभागियों को पशुचिकित्सा अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में आई0 वी0 आर0 आई0 की महत्ता के बारे में बताया। डॉ० रूपसी तिवारी ने आई0 वी0 आर0 आई0 द्वारा पशुचिकित्सा एवं पशुपालन प्रसार सम्बंधित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों जैसे कि, इंटरफेस बैठकों, सर्टिफिकेट एवं डिप्लोमा कार्यक्रमों, संस्थान द्वारा विकसित की गई विभिन्न मोबाइल ऐप इत्यादि के बारे में जानकारी साजा की। डॉ० संजय कुमार (निदेशक, उत्तराखंड जैव प्रौद्योगिकी परिषद) ने बताया कि, कैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं जैव प्रौद्योगिकी का प्रयोग कर पशुपालन उत्पादन एवं प्रबंधन को और बेहतर किया जा सकता है।

इसके पश्चात तकनीकी सत्र के अंतर्गत विभिन्न वैज्ञानिकों एवं पशुपालन विभाग, उत्तराखंड से आए विभिन्न विशेषज्ञों जैसे कि, डॉ0 आर0 पी0 सिंह (निदेशक, एन0 आई0 एफ0 एम0 डी0, भुवनेश्वर, ओडीशा), डॉ0 सोहनी डे (संयुक्त निदेशक, केंद्रीय रोग निदान प्रयोगशाला, आई0 वी0 आर0 आई0, इजतनगर), डॉO बबलू कुमार (प्रधान वैज्ञानिक, आई0 वी0 आर0 आई0, इजतनगर), डॉ० दुष्यंत (वन्य जीव विशेषज्ञ), डॉ० सुधा रानी कृपाल (राज्य पशु चिकित्सा रोग निदान प्रयोगशाला) ने पशुपालन से संबंधित विभिन्न विषयों की जानकारी साझा की।

तत्पश्चात वैज्ञानिकों तथा पशु चिकित्सा अधिकारियों के मध्य खुली चर्चा में दोनों ही पक्षों ने अपने मत रखें। पशु चिकित्सा अधिकारियों द्वारा क्षेत्रीय स्तर पर देखी जाने वाली विभिन्न चुनौतियों की जानकारियां साझा की गई। वैज्ञानिकों द्वारा पशु चिकित्सा अधिकारियों की समस्याओं का निदान किया गया। साथ ही संयुक्त निदेशक, आई0 वी0 आर0 आई0, मुक्तेश्वर ने यह भी सुनिश्चित किया कि, पशुपालकों के हित हेतु पशुधन स्वास्थ्य एवं प्रबंधन के विभिन्न क्षेत्रों में संस्थान सदैव ही शोध कार्य हेतु प्रयासरत रहेगा।

इस कार्यक्रम में डॉक्टर करम चंद डॉक्टर विशाल, डॉ निधि शर्मा इत्यादि वैज्ञानिक मौजूद थे। कार्यक्रम का समन्वयं डॉक्टर सिद्धार्थ गौतम , डॉक्टर आशुतोष फुलर, डॉक्टर नीतिश तथा डॉक्टर दीपिका ने किया।

मुख्य अतिथि का स्वागत संयुक्त निदेशक, आईवीआरआई मुक्तेश्वर द्वारा

ऑनलाइन माध्यम से उद्घाटन सत्र के दौरान संयुक्त निदेशक (प्रसार शिक्षा), आईवीआरआई द्वारा उद्घाटन संबोधन

प्रतिभागियों और विशेषज्ञों का समूह चित्र

इंटरफेस बैठक के दौरान वैज्ञानिकों और पशु चिकित्सा अधिकारियों की चर्चा